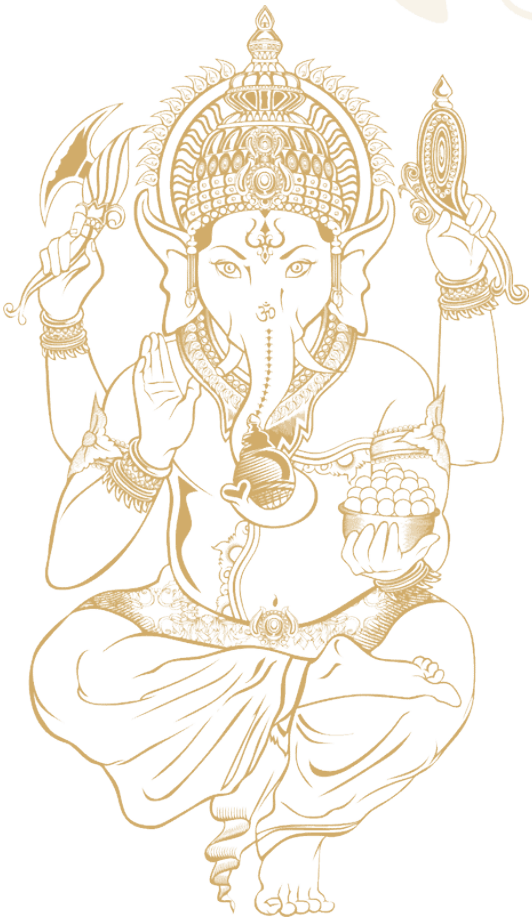

Poornima waghray

26 Sep 1958

11:22 AM

Hyderabad

Model: Varshphal-2017

Order No: 119566101

तिथि 26/09/1958 **समय** 11:22:00 **वार** शुक्रवार **स्थान** Hyderabad **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:16:57
अक्षांश 17:22:00 उत्तर **रेखांश** 78:26:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:16:16 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	11:23:52 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:08:26 घं	योनि	सिंह
सूर्योदय	06:05:49 घं	नाड़ी	आद्य
सूर्यास्त	18:09:34 घं	वर्ण	शूद्र
चैत्रादि संवत	2015	वश्य	मानव
शक संवत	1880	वर्ग	मेष
मास	भाद्रपद	युँजा	अन्त्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	वायु
तिथि	14	जन्म नामाक्षर	से-सेविका
नक्षत्र	पू०भाद्रपद	पाया(रा.-न.)	लौह-लौह
योग	गण्ड	होरा	मंगल
करण	गर	चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी
गुरु 14वर्ष 8मा 11दि
शुक्र
07/06/2016
07/06/2036

शुक्र	07/10/2019
सूर्य	07/10/2020
चन्द्र	07/06/2022
मंगल	07/08/2023
राहु	07/08/2026
गुरु	07/04/2029
शनि	07/06/2032
बुध	08/04/2035
केतु	07/06/2036

योगिनी
भ्रामरी 3वर्ष 8मा 2दि
पिंगला
30/05/2025
30/05/2027

पिंगला	09/07/2025
धान्या	08/09/2025
भ्रामरी	28/11/2025
भद्रिका	10/03/2026
उल्का	10/07/2026
सिद्धा	29/11/2026
संकटा	10/05/2027
मंगला	30/05/2027

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			21:30:35	वृश्चि	ज्येष्ठा	2	बुध	शुक्र	---	0:00			
सूर्य			09:21:32	कन्या	उ०फाल्गुनी	4	सूर्य	शुक्र	सम राशि	1.38	पुत्र	पितृ	साधक
चंद्र			21:05:08	कुंभ	पू०भाद्रपद	1	गुरु	गुरु	सम राशि	1.22	भ्रातृ	मातृ	जन्म
मंगल			07:50:07	वृष	कृतिका	4	सूर्य	शुक्र	सम राशि	1.31	ज्ञाति	भ्रातृ	साधक
बुध		अ	01:46:01	कन्या	उ०फाल्गुनी	2	सूर्य	गुरु	उच्च राशि	0.99	कलत्र	ज्ञाति	साधक
गुरु			10:20:24	तुला	स्वाति	2	राहु	गुरु	शत्रु राशि	1.22	मातृ	धन	अतिमित्र
शुक्र			27:26:19	सिंह	उ०फाल्गुनी	1	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि	1.29	आत्मा	कलत्र	साधक
शनि			26:41:35	वृश्चि	ज्येष्ठा	4	बुध	गुरु	शत्रु राशि	0.86	अमात्य	आयु	विपत
राहु	व		29:02:46	कन्या	चित्रा	2	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण		---	ज्ञान	मित्र
केतु	व		29:02:46	मीन	रेवती	4	बुध	शनि	मूलत्रिकोण		---	मोक्ष	विपत

लग्न-चलित

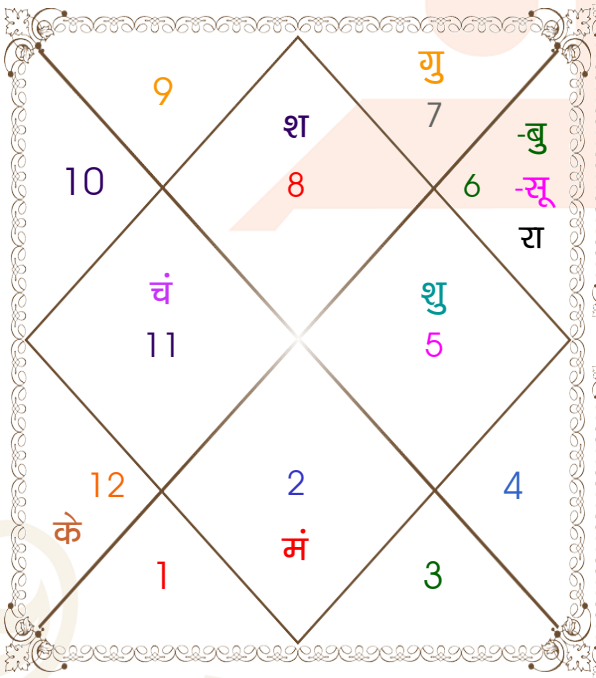

चन्द्र कुंडली

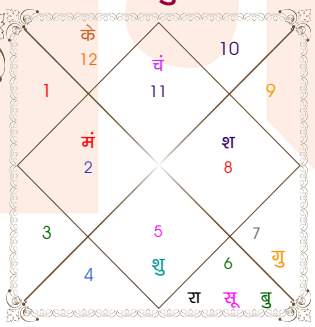

नवमांश कुंडली

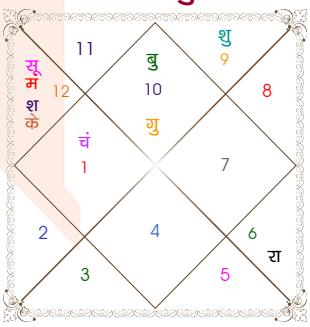

सर्वाष्टकवर्ग

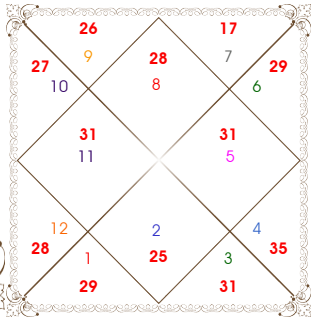

दशमांश कुंडली

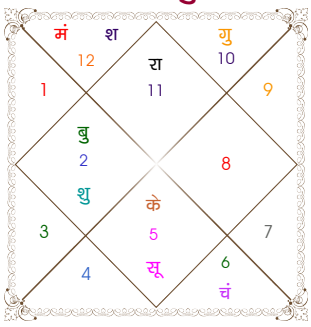

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आप के लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति इस समय सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं व्याकुलता का भाव मन में बना रहेगा। शत्रु तथा विरोधी प क्ष यदा कदा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा परन्तु स्वबुद्धिबल से आप उनका दमन करने में समर्थ रहेंगे। लेखन एवं अध्ययन के प्रति इस वर्ष में आप परिश्रम शील रहेंगे साथ ही कलाओं का ज्ञान भी न्यूनाधिक मात्रा में अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आप अपने व्यवहार के द्वारा अन्य जनों पर सामान्य प्रभाव डालने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही समयोचित तत्काल प्रत्युतर देने में आप चतुराई का प्रदर्शन करेंगे। गणित या अन्य ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में भी आपको किंचित सफलता इस वर्ष में प्राप्त हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य ही रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति होगी परन्तु उसमें परिश्रम की अधिकता रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग में भी यदा कदा व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें विलम्ब तथा रूकावटें आएंगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से भी आपके संबंध मध्यम ही रहेंगे। अतः इनसे भी कोई विशेष लाभ या सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी संतोषप्रद ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही धनार्जन होगा। साथ ही सामाजिक मान सम्मान प्रतिष्ठा एवं यश भी सामान्य ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक मात्रा में सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए आप का यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए सामान्य रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगी । साथ ही मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में व्याकुलता एवं उद्विग्नता का भाव विद्यमान रहेगा । इस समय बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके संबंध मध्यम रहेंगे तथा उनसे लाभ एवं सहयोग भी अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा साथ ही परस्पर संबंधों में भी यदा कदा तनाव भी उत्पन्न होगा। इस वर्ष में आपके रूके हुए कार्य तथा मानसिक संकल्प भी अल्प मात्रा में ही परिश्रम पूर्वक पूर्ण होंगे। संतति पक्ष के लिए समय मध्यम रहेगा तथा उनसे आपको विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी तथा अपने क्षेत्र में वे विशेष उन्नति नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त इस वर्ष में भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति तथा उनका उपभोग भी आप सामान्य रूप से ही करने में समर्थ रहेंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष अत्यंत ही परिश्रम एवं संघर्ष पूर्ण रहेगा तथा परिश्रम से ही व्यापार में आपको कोई सफलता प्राप्त हो सकेंगी साथ ही लाभ मार्ग में भी रूकावटें उत्पन्न होंगी। नौकरी या राजनीति में भी आपकी उन्नति में व्यवधान तथा विलम्ब उत्पन्न होगा तथा विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग एवं वरिष्ठ नेताओं से आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा इनसे विशेष लाभ एवं सहयोग भी नहीं मिलेगा इस वर्ष में स्वपराक्रम से मान प्रतिष्ठा एवं यश अर्जित कर सकेंगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्यके कारण आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अतः परिश्रम पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तभी सफलताएं मिल सकेंगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्पूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आपको अत्यंत ही पराक्रम तथा परिश्रम करना पड़ेगा फिर भी इसमें सफलता आपको आंशिक ही प्राप्त होगी। इस समय आपके स्वयं द्वारा किए गए कार्यो से भी अप्रसन्नता होगी तथा मानसिक असन्तुष्टि तथा परेशानी भी रहेगी।साथ ही मित्रों एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः उनसे आपको लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।

इस वर्ष में शत्रुवर्ग से आप अत्यंत ही कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगी तथा वे आपके लिए समय समय पर अनावश्यक कष्ट एवं परेशानी उत्पन्न करेंगे। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी अतः ऐसे समय में आपको पूर्ण सतर्क तथा सावधान रहना चाहिए।इस वर्ष में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा आप अल्प मात्रा में ही इच्छित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा तथा धनहानि की भी संभावना रहेगी।साथ ही कार्य क्षेत्र में भी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा रूके हुए कार्य भी सिद्ध नहीं होंगे।इसके अतिरिक्त इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी उत्पन्न होंगी फलतः एक दूसरे से विवाद या झगड़े की भी संभावनाएं भी बनेंगी। अतः ऐसे समय को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें इससे अशुभ फलों में न्यूनता रहेगी।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होती रहेगी। मानसिक स्थिति भी आपकी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में चंचलता तथा उद्विग्नता का भाव विद्यमान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी परन्तु धार्मिक कार्य कलापों तथा वृतियों को सम्पन्न करने में आप अल्प रूचि का प्रदर्शन करेंगी। इस समय आपके महत्वपूर्ण शुभ कार्य अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे तथा इसके लिए आपको काफी संघर्ष एवं परिश्रम करना पड़ेगा।साथ ही सौभाग्य में वृद्धि भी अल्प रहेगी तथापि किसी महत्वपूर्ण कार्य की सिद्धि हो जाएगी जिससे आपको सन्तुष्टि प्राप्त होगी । भौतिक सुख संसाधन भी आप सामान्य रूप में अर्जित करेंगी परन्तु उनका उपभोग मध्यम रूप से ही कर सकेंगी। इसके साथ ही इस वर्ष में आप किसी शुभ या मांगलिक कार्य पर व्यय कर सकती हैं।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष परिश्रम पूर्ण रहेगा तथापि आप किंचित उन्नति तथा सफलता अर्जित करेंगी तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी उन्नति की संभावनाएं रहेगी परन्तु इसमें विलम्ब या व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध सामान्य रहेंगे परन्तु इनसे इच्छित लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त हो सकेगा। जिससे शुभ कार्यो में सफलता की संभावना बढ़ेगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी संबध सामान्य रहेंगे तथा उनसे लाभ एवं सहयोग मध्यम रहेगा। अतः शान्ति एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा समय की उपेक्षा न करें।

प्रथम मास

26/09/2025 15:25:22 से 26/10/2025 23:28:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	20:47:50
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	09:21:32
चन्द्र		वृश्चिक	विशाखा	00:00:52
मंगल		तुला	स्वाति	08:32:07
बुध		कन्या	हस्त	19:32:04
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	27:39:42
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:12:52
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:53:28
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:01:29
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:01:29
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	21:30:35

मासाधिपति

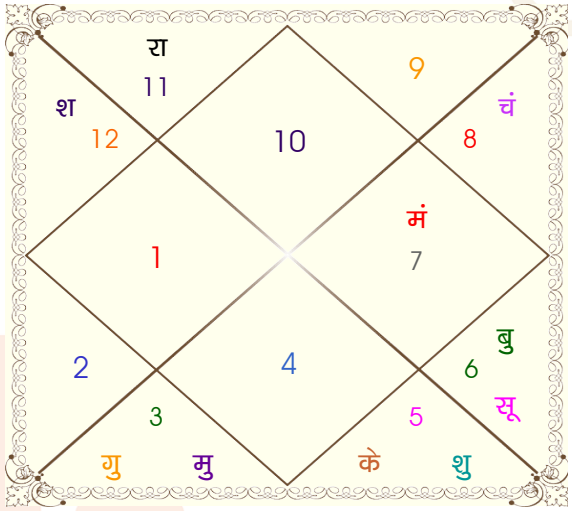

मासाधिपति : बुध

यह मास आपका शुभाशुभ फलों से युक्त होकर व्यतीत होगा। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थता की अनुभूति करेंगी साथ ही शत्रु भी उत्पन्न होंगे जिससे मानसिक परेशानी तथा भय उत्पन्न होगा। अपने उच्चाधिकारी वर्ग की आप इस मास में उपेक्षा न करें अन्यथा आप दंडित भी हो सकती हैं। साथ ही चोरों से भी सावधान रहें। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन भी अनावश्यक रूप से अधिक मात्रा में व्यय होगा। इस समय आप कोई कठोर कार्य करने की दिशा मेंभी तत्पर हो सकती हैं। ऐसे कार्यों से आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी अनावश्यक तनाव उत्पन्न हो सकता है। इसके अतिरिक्त आशाओं में भी सामान्यतया असफलता ही मिलेगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। जिससे आपको पति से सुख,बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि तथा अन्य प्रकार से सुख प्राप्त होंगे। साथ ही धार्मिक कृत्यों को करने के लिए भी तत्पर रहेंगी।

द्वितीय मास

26/10/2025 23:28:51 से 25/11/2025 20:02:07 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	03:54:59
सूर्य		तुला	स्वाति	09:21:32
चन्द्र		धनु	मूल	06:19:47
मंगल		तुला	विशाखा	29:31:17
बुध		वृश्चिक	विशाखा	02:52:02
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:31:10
शुक्र		कन्या	हस्त	21:47:18
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:50:08
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:55:21
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:55:21
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	24:00:35

मासाधिपति

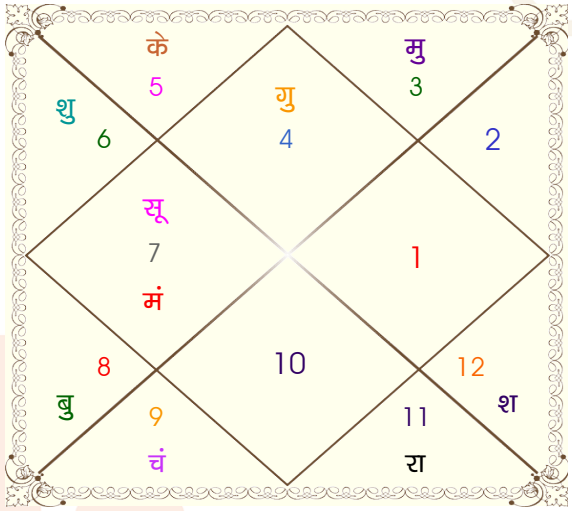

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आपको शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे अतः आप दुष्ट मनुष्यों की संगति को प्राप्त करेंगी तथा व्ययाधिक्य भी रहेगा जिससे आप मानसिक रूप से असन्तुष्ट रहेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य काफी परिश्रम करने के पश्चात भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी आस्था में न्यूनता आएगी जिससे देवता एवं ब्राहमणों का आप उचित सम्मान नहीं करेंगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकती हैं। इस समय आपके मित्रों एवं सम्बन्धियों से परस्पर सम्बन्ध तनावपूर्ण रहेंगे तथा नौकरी या व्यापार सम्बन्धी कार्यों में भी आप अनावश्यक बाधाएं प्राप्त करेंगी।साथ ही शत्रु पक्ष भी इस मास आपका प्रबल रहेगा फलतः उनकी ओर से भी आप चिन्तित रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप जिस भी कार्य को प्रारम्भ करेंगी उसमें परिश्रम पूर्वक ही सफलता मिल सकेगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त जनित दोषों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय रूधिर विकार का भी योग बनता है अतः सोच-समझ कर सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

तृतीय मास
25/11/2025 20:02:07 से 25/12/2025 08:53:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	14:00:05
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	09:21:32
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:58:43
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:05:14
बुध	व	तुला	विशाखा	28:05:40
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:36:36
शुक्र		तुला	विशाखा	29:11:50
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:56:37
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:12:06
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:12:06
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	26:30:35

मासाधिपति

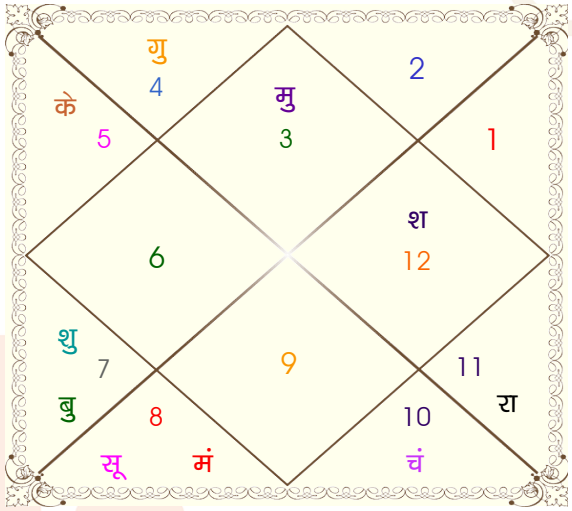

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आप शारीरिक रूप से पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी तथा मानसिक रूप से भी शान्त रहेंगी। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा अपने शत्रुओं का दमन करने में आप सफल रहेंगी एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आय के अन्य स्त्रोंतो से आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करेंगी। इस मास आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे तथा ऐसे कार्यों की भी सिद्धि होगी जिनकी आप दीर्घ समय से प्रतीक्षा कर रहीं थीं। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर सम्बन्ध होंगे तथा उनसे पूर्ण मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा भी प्राप्त होगी। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी इस मास सफलता प्राप्त करेंगी राज्य या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।अतः उनसे आप पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्राप्त करेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी एवं बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा सम्पूर्ण मास प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी। इस समय धर्म के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी। इसके अतिरिक्त समाज एवं समाजिक जनों में आपकी प्रतिष्ठा रहेगी। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा।

चतुर्थ मास
25/12/2025 08:53:12 से 23/01/2026 19:42:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	10:21:06
सूर्य		धनु	मूल	09:21:32
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	06:58:38
मंगल		धनु	मूल	13:13:35
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:06:53
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:00:19
शुक्र		धनु	मूल	06:21:12
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:35:00
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	17:02:04
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:02:04
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	29:00:35

मासाधिपति

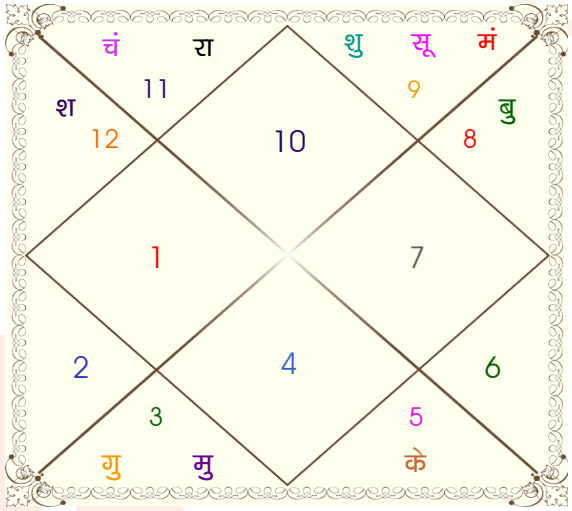

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा। अतः इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक रूप से आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगी। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप बेचैनी की अनुभूत करेंगी। इस समय आपके घर में चोरी भी हो सकती है। आप अपने उच्चाधिकारियो की ऐसे समय में उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पालन करती रहें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित भी हो सकती हैं। इस मास में आपके शुभ कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा आपको अत्यधिक मात्रा में परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही अन्य प्रकार से धन हानि भी हो सकती है। जिसके कारण इस मास में आप आर्थिक संकट भी प्राप्त कर सकती हैं। इस मास में आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से सम्बन्ध अच्छ नहीं रहेंगे तथा आशाएं भी आपकी अल्पमात्रा में ही पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति तथा पुत्रों से वांछित सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या वस्तुओं का लाभ भी प्राप्त हो सकता है।

पंचम् मास
23/01/2026 19:42:21 से 22/02/2026 10:38:52 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	02:03:00
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:21:32
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	06:12:53
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:56:14
बुध		मकर	श्रवण	10:39:26
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:08:22
शुक्र		मकर	श्रवण	13:23:49
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:37:38
राहु		कुम्भ	शतभिषा	15:08:49
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:08:49
मुंथा		कर्क	पुनर्वसु	01:30:35

मासाधिपति

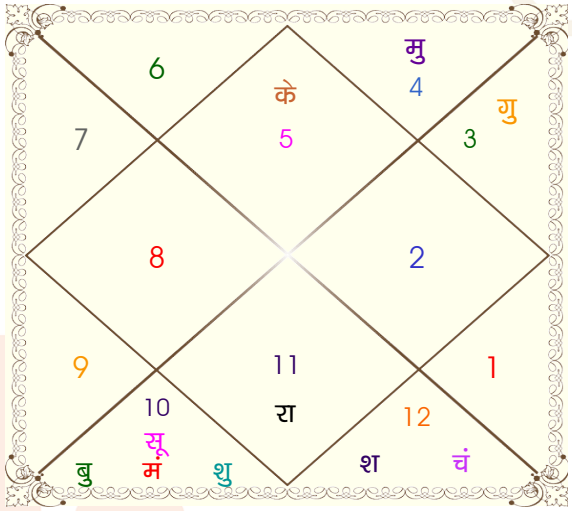

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप शुभाशुभ फल प्राप्त करेंगी अतः यह समय आपके लिए मध्यम रहेगा। इस समय आप व्यय अधिक मात्रा में करेंगी तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी प्राप्त करेंगी इसलिए आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेगी। आपका स्वास्थ्य भी इस मास में विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक बल में न्यूनता आएगी। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यधिक परिश्रम के बाद भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति आपके मन में उपेक्षा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि के योग बनेंगे। अपने मित्रों तथा संबधियों से आपके विशेष मधुर संबध नही रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में अनावश्यक बाधाएं आएंगी। इस समय शत्रु पक्ष के प्रबल होने से आप उनसे भय त्रस्त एवं चिन्तित रहेगी तथा जिस कार्य को प्रारंभ करेंगी उसमें असफलता ही प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः पति तथा पुरूष वर्ग से आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में सफल रहेंगी तथा बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। इस समय उचित लाभ तथा सुखार्जन करने में भी आप सफल रहेंगी। इसके साथ ही समाज एवं सामाजिक जनों में आप की प्रतिष्ठा एवं यश व्याप्त रहेगा।

षष्ठ मास

22/02/2026 10:38:52 से 24/03/2026 10:53:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	21:20:02
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	09:21:32
चन्द्र		मेष	अश्विनी	09:04:31
मंगल		मकर	धनिष्ठा	29:10:24
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:59:43
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:19:48
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:31:19
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:42:10
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:44:53
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:44:53
मुंथा		कर्क	पुष्य	04:00:35

मासाधिपति

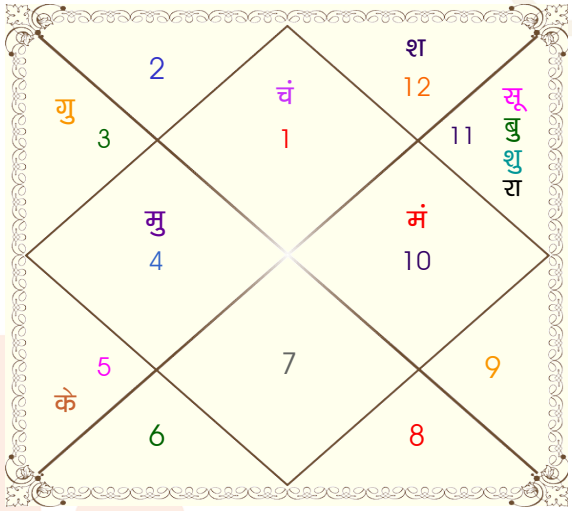

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे अतः वे भी आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इससे आप मानसिक रूप से भी परेशान रहेंगी। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्यो में मन्दी आ सकती है जिससे आर्थिक रूप से भी परेशानी होगी। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द या परिर्वतन भी हो सकता है। समाज में दूसरे लोगों से आपके विवाद आदि भी होते रहेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि की भी संभावना होगी तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न होगा।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा इनकी ओर से पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र तथा वस्तुएं भी प्राप्त कर सकती हैं। अतः यह मास आपके लिए सामान्य ही रहेगा।

सप्तम् मास
24/03/2026 10:53:20 से 23/04/2026 23:18:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	25:18:16
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	09:21:32
चन्द्र		वृष	रोहिणी	18:26:21
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:47:58
बुध		कुम्भ	शतभिषा	14:48:51
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:08:18
शुक्र		मीन	रेवती	27:49:29
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:21:10
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:30:46
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:30:46
मुंथा		कर्क	पुष्य	06:30:35

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

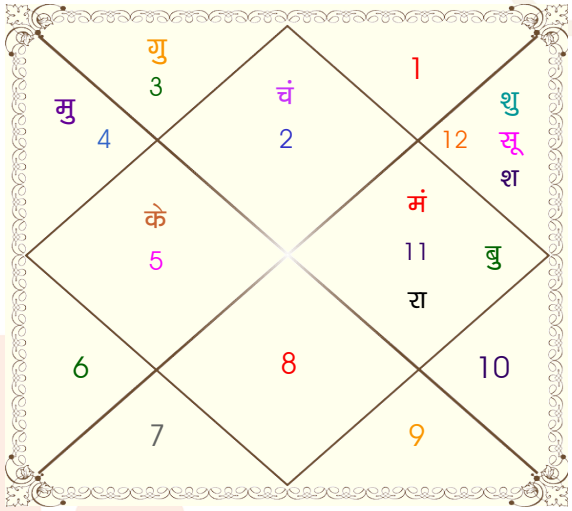

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा अन्य प्रकार से भी सुखोपभोग करने में सफल सिद्ध होंगी। साथ ही समाज में भी आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगी। अन्य लोगों की भलाई के लिए भी कार्यो को करने के लिए आप तत्पर रहेंगी। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय भी प्राप्त करेंगी जिससे आपके सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी। इस मास भाई बहिनों का आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा साथ ही आपसी संबध भी मधुरता से युक्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय में पूर्ण होंगे जिससे आप हृदय से प्रसन्न रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र द्रव्य या स्वर्णादि के आभूषणों को भी प्राप्त कर सकती है। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
23/04/2026 23:18:40 से 24/05/2026 23:36:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:41:33
सूर्य		मेष	अश्विनी	09:21:32
चन्द्र		कर्क	पुष्य	04:41:53
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	16:34:07
बुध		मीन	रेवती	18:57:52
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:43:55
शुक्र		वृष	कृतिका	05:15:17
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:05:09
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:06:46
केतु	व	सिंह	मघा	13:06:46
मुंथा		कर्क	पुष्य	09:00:35

मासाधिपति

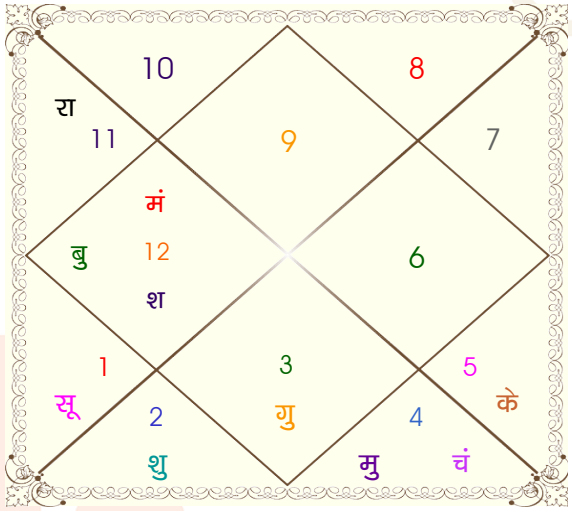

मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप मध्यम रूप से व्यतीत करेंगी तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा। अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। साथ ही धर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। इस महीने में आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट की अनुभूति करेंगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा ही रहेगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक एवं मानसिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी जिससे शरीर में दुर्बलता भी रहेगी। इस मास में आप दूर समीप की यात्राएं भी कर सकती है। इस समय आपके सांसारिक कार्यो में व्यवधान उत्पन्न होंगे फलतः इनमें आपको अल्प सफलता ही प्राप्त होगी। इसके कारण आप मानसिक रूप से तनाव तथा अशान्ति का अनुभव करेंगी। इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमता पूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की अभिवृद्धि होगी जिसके कारण महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त धन भी आप प्रचुर मात्रा में अर्जित करेंगी तथा धर्मानुपालन में प्रवृत रह कर समाज में यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में न्यूनाधिक सफल रहेंगी।

नवम् मास
24/05/2026 23:36:26 से 25/06/2026 08:09:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	20:24:26
सूर्य		वृष	कृतिका	09:21:32
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:56:12
मंगल		मेष	अश्विनी	10:08:21
बुध		वृष	रोहिणी	21:18:43
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:30:19
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	12:34:50
शनि		मीन	रेवती	17:22:33
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:27:39
केतु	व	सिंह	मघा	10:27:39
मुंथा		कर्क	पुष्य	11:30:35

मासाधिपति

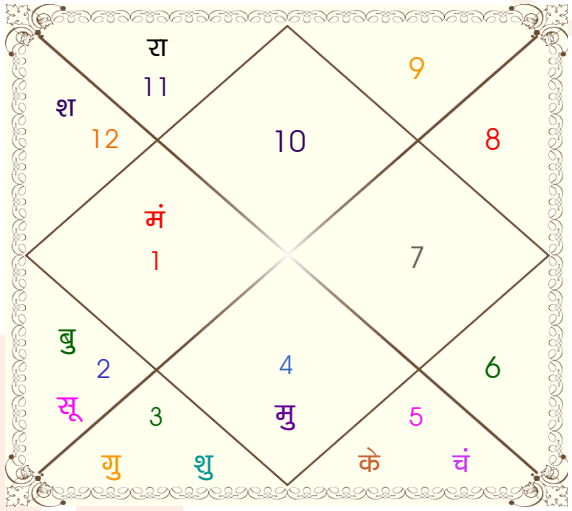

मासाधिपति : मंगल

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपके पति तथा बन्धुवर्ग किसी भी प्रकार से कष्ट प्राप्त करेंगे या आपको कष्ट देंगे। आपके शत्रु इस मास में बलवान रहेंगे तथा आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। अतः आप इनसे चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा मन में लोभ के भाव की वृद्धि होगी।साथ ही धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा। अतः धनाभाव से भी आप दुःखी रहेंगी। इस समय आपके उत्साह में कमी आएगी तथा शरीर में निर्बलता भी रहेगी। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा आपस में तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही ऐसे समय में मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। जिससे आप मानसिक रूप से भी कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय पारिवारिक तथा सामाजिक जनों से भी आप का विवाद होता रहेगा।अतः संयम पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे पुरुष वर्ग से आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा अपनी बुद्धि से आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में सफल रहेंगी तथा अन्य प्रकार से भी धनार्जन एवं सुख की प्राप्ति होती रहेगी।

दशम् मास
25/06/2026 08:09:31 से 26/07/2026 18:55:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	11:08:24
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	09:21:32
चन्द्र		तुला	स्वाति	15:49:42
मंगल		वृष	कृतिका	03:07:24
बुध		कर्क	पुनर्वसु	01:12:35
गुरु		कर्क	पुष्य	04:40:52
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	19:15:03
शनि		मीन	रेवती	19:40:39
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:31:48
केतु	व	सिंह	मघा	07:31:48
मुंथा		कर्क	पुष्य	14:00:35

मासाधिपति

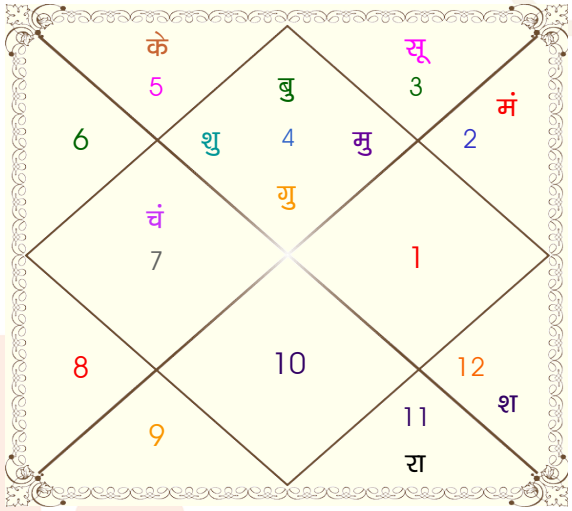

मासाधिपति : मंगल

इस महीने में आप शुभ फल अधिक तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आप शारीरिक तथा मानसिक रूप से पूर्ण स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगी। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी फलतः आपके शत्रु आपसे पराजित तथा भयभीत रहेंगे तथा अन्य लोग भी आपका सम्मान करेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी अतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। साथ ही नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य सम्पन्न होंगे तथा कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होगा जिससे आप अत्यंत ही प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे वांछित सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगी। आपके अधिकाशं सांसारिक कार्य इस समय सम्पन्न होंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। फलतः कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं लोगों से यथोचित सम्मान प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे। अतः आप वातोत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगी एवं किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

एकादश मास

26/07/2026 18:55:24 से 27/08/2026 01:11:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	11:18:18
सूर्य		कर्क	पुष्य	09:21:32
चन्द्र		धनु	मूल	05:36:57
मंगल		वृष	मृगशिरा	25:08:39
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	22:24:49
गुरु		कर्क	पुष्य	11:31:34
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:07:00
शनि		मीन	रेवती	20:31:09
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:48:15
केतु	व	सिंह	मघा	05:48:15
मुंथा		कर्क	पुष्य	16:30:35

मासाधिपति

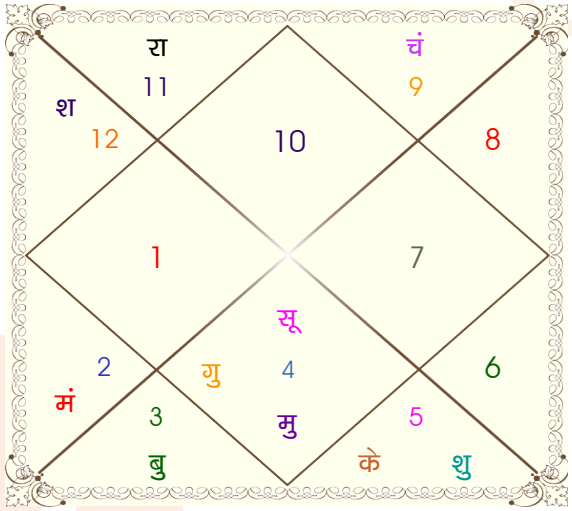

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप शुभफल कम तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय पति तथा बन्धुजनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगी या उन्हें किसी प्रकार की कष्टानभूति होगी। इस मास में शत्रुपक्ष के प्रबल होने से आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आप आर्थिक रूप से कमजोर रहेंगी। इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा उद्विग्नता की अनुभूति करेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं स्वभाव में लोलुपता के भाव की वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रवर्ग से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा। साथ ही ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त पारिवारिक तथा सामाजिक जनों से भी आपके मतभेद रहेंगे। अतः संयम एवं बुद्धिमानी से अपने समय को व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य आप शुभ फलों की प्राप्ति करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करेंगी। साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में भी उन्नति को प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को भी प्राप्त कर सकती हैं। जिससे आपको प्रसन्नता की अनुभूति हो सकेगी।

द्वादश मास
27/08/2026 01:11:51 से 26/09/2026 21:37:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	02:46:56
सूर्य		सिंह	मघा	09:21:32
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	23:32:24
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	15:51:27
बुध		सिंह	मघा	08:27:57
गुरु		कर्क	आश्लेषा	18:22:17
शुक्र		कन्या	चित्रा	24:38:46
शनि	व	मीन	रेवती	19:43:22
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:36:31
केतु		सिंह	मघा	05:36:31
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	19:00:35

मासाधिपति

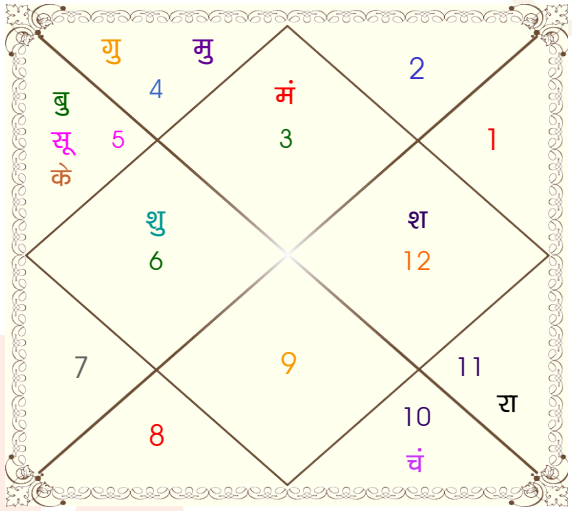

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगी परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा उत्साह पूर्वक धनार्जन करेंगी। साथ ही परिवार एवं समाज से आप वांछित सम्मान अर्जित करेंगी। इस समय मित्रों एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में सफल रहेंगी। मिष्ठान्न के प्रति आपकी अधिक इच्छा रहेगी। साथ ही स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा तथा शरीर में बल की वृद्धि होती रहेगी। इस मास में शत्रुओं को पराजित तथा भयभीत करने में आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त पति एवं पुत्र से आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा तथा नौकरी या व्यापार के अतिरक्त अन्य साधनों से भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा धैर्य पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।